



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 156]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 22, 1990/असाध 1, 1912

No. 156]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 22, 1990/ASADHA 1, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वार्षिक मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 33 आई टी सी (पीएन)/90--93

नई दिल्ली, 22 जून, 1990

विषय:—आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1989 के अधीन भार-
जनिक क्षेत्र और निजी-क्षेत्र के आयातों के लिए लाइसेंसिंग प्रती।

फाइन म. आई पी सी 23/(—) 90—93.—आस्ट्रियन पूंजीगत
माल क्रेडिट, 1989 के अधीन सार्वजनिक-क्षेत्र और निजी क्षेत्र के आयातों
को शामिल करने वाली प्रती जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी
गयी है, सूचना के लिए अधिसूचित की जाती है।

तेजेंद्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

वार्षिक मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 32-आई टी सी (पी एन)/
88--91 दिनांक 12-6-90 के लिए परिशिष्ट।

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1989 के अन्तर्गत निजी क्षेत्र और
सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए प्रती

1 लाइसेंस 12 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिए जारी
किए जाएंगे। किन्तु आस्ट्रियन संभरकों को पक्के आदेश लागू बीमा

भाड़ा/लागत तथा भाड़ा के आधार पर दिए जाने चाहिए और उनकी
प्रतियाँ आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से चार मास की अवधि
के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को भेजी जाएंगी।
“पक्के” आदेश का अर्थ है यह कि आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा
आस्ट्रियन संभरक को दिया गया हो और उसके साथ बाव बाने से पृष्ठपत्र
भी लगाया गया हो या वह रूप आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी और
विदेशी संभरक दोनों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हो। यदि पक्के आदेश
चार मास की निर्धारित अवधि के भीतर नहीं दिए जा सकें तो
लाइसेंसधारी को जैसा भी मांगना हो, मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रण
(सी टी आई एन ई) या अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को आदेश देने में
समय वृद्धि के लिए सुझाव भेजना चाहिए और उस सुझाव में उसे यह
ओचित्य भी देना चाहिए कि प्राथमिक वैधता अवधि के भीतर आदेश क्यों
नहीं दिए जा सके। आदेश देने की अवधि में समय वृद्धि से संबंध ऐसे
आदेशों पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक मामले में गुणोप के
आधार पर विचार किया जाएगा और वे अधिक से अधिक दो मास तक
की और समय वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि समय वृद्धि आयात
लाइसेंसों के जारी होने की तारीख से 6 मास पर के लिए मांगी गई हो
तो ऐसे आवेदन निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आर्थिक
कार्य विभाग (सिध्दा I-अनु.) वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।
लाइसेंस कोड “एस” और “ए” लाइसेंस सं. के बाव पहले और द्वितीय

प्रथम में संकेतित होने चाहिए। सभी लाइसेंस कोड का प्रयोग सभी लदान दस्तावेजों और साथ ही साथ "एम" प्रपत्र में किया जाना चाहिए जो सग्या निक्षेप करने समय भारतीय बैंक को भेजने अपेक्षित है।

2. केवल आस्ट्रियन मूल के पुंजीगत माल की ही इन कंडिट के अन्तर्गत वित्तदान के लिए पात्र है।

3. लाइसेंस प्राप्त के प्रेषणों के लिए वैध नहीं होगा। आस्ट्रियन संभरकों को भुगतान तीन कंडिका 6 से 10 में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार ही किए जा सकते हैं।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियन संभरक के बीच संभरण सविदा में लाइसेंस शर्तों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आस्ट्रियन पुंजीगत माल कंडिट 1989 में से आयातकों के वित्तदान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए और यह भारत सरकार द्वारा अनुमोदन के भी अधीन होनी चाहिए। आयातकों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि वे इस शर्त के तहत में संभरकों को सूचित कर दें और इस संबंध में संभरण सविदा में भी एक धारा जोड़ दें। इसके अलावा अनुमोदित प्रादेश वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली की पूर्ण अनुमति के बिना रुद नहीं किए जाने चाहिए।

5. सविदा का मूल्य केवल आस्ट्रियन शिलिंग में ही व्यक्त किया जाना चाहिए। सविदा में गामान्धत/लदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर आस्ट्रियन पुंजीगत माल कंडिट 1989 में से नकद भुगतान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए। किता भी प्रयात निष्पादन गारंटी के लिए संभरक को बैंक गारंटी प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है।

6. सविदा पूर्ण हो जाने के तुरन्त बाद आयातक को सविदा/संभरण प्रादेश की फोटोस्टेट या प्रमाणित 5 प्रतियां और इसके साथ आयात लाइसेंस की एक फोटोस्टेट या यदि कोई हो तो विदेशी मुद्रा की स्वीकृति की प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (कोड-1 अनुभाग) को भेजनी चाहिए। आयातक को अनुबन्ध-1 (नॉन प्रतियों में) दिए गए स्थानों के अनुसार भी सूचना भेजनी है।

7. आस्ट्रिया से आयात के लिए निजी क्षेत्रों एवं सरकारी विभागों ने भिन्न कम्पनियों एवं संस्थानों द्वारा तय की गई सविदाओं के गारंटी में आयातक को निर्धारित प्रपत्र (अनुबन्ध-2) में एक अनुमोदित अनुसूचित बैंक से, स्टाम्प समाह्वी द्वारा विधिवत निर्गमित एक बैंक गारंटी भेजनी चाहिए। बैंक गारंटी उस धनराशि के लिए होनी चाहिए कि जो सविदा के लिए प्राधिकार पत्र लिया जाता है उसकी धनराशि जमा ब्याज और अन्य प्रभारों के समतुल्य रूप को प्रदर्शित करे। परिवर्तन की दर, आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि को यथा प्रचलित राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचित विनिमय दर या वह दर होगी जो आयात लाइसेंस में संकेतित हो।

8. यदि सविदा दस्तावेज/संभरण प्रादेश, प्राधिकार पत्र जारी करने के निवेदन, आयात लाइसेंस और जहां कहा आवश्यक हो बैंक गारंटी ठीक पाए जाते हैं तो आर्थिक कार्य विभाग पोतलदान दस्तावेजों के मददे संभरकों को प्राधिकृत भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (अनुबन्ध 3 में दिए गए प्रपत्र में) के साथ सविदा की प्रति आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक को भेजेगा।

9. यदि प्राधिकार पत्र की वैधता अवधि के भीतर संभरकों का पोतलदान/भुगतान पूरे नहीं किए जाते हैं तो प्राधिकार पत्र की वैधता समाप्त होने से काफी पहले प्राधिकार पत्र की तिथि से उचित वृद्धि के लिए आयातकों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (कोड-1 अनुभाग) से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि मांगी हुई अवधि वृद्धि मूल लाइसेंस की वैधता अवधि से अधिक हो तो ऐसे निवेदनों के साथ पुनर्वैध आयात लाइसेंस की फोटोस्टेट प्रति होनी चाहिए और जहां आवश्यक हो बैंक से बैंक गारंटी की वैधता अवधि में वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र होना चाहिए।

10. यदि प्राधिकार पत्र की वैधता की तिथि से 6 मास के भीतर प्राधिकार पत्र की वैधता अवधि में वृद्धि के लिए आवेदन नहीं प्राप्त होता है तो प्राधिकार पत्र में उपर्युक्त जोर धनराशि अस्पार्ण की हुई समझी जाएगी और प्राधिकार पत्र स्वतः ही समाप्त हो जाएगा।

11. आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक मूल परकाम्य पोतलदान और अन्य दस्तावेज सम्बद्ध आयातक के भारतीय बैंक का भेजेगा और इन दस्तावेजों के परकाम्य सदों की गिहाई आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक के प्राधान्यता का करती चाहिए जो इस बात का सुनिश्चय हो जाए कि आयातक ने निम्नलिखित धनराशि जमा करवा दी है—

(1) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना संख्या 8 आईटीसी/ (पी.एन.)/76 दिनांक 17-1-1976 की आयात-निर्यात में निर्धारित तरीके से मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से समय समय पर अधिसूचित किए जाने वाले निर्धारित तरीके से गणना की जाने वाली लागू निर्धारित दर पर आस्ट्रियन शिलिंग में संभरकों को दिए गए भुगतान के समतुल्य रूप।

(2) सार्वजनिक सूचना सं. 31 और 35 आई टी सी (पी.एन.)/83 दिनांक 10-8-83 और 26-8-83 के अनुसार या उपर्युक्त मद सं. (1) में जहां की जहां प्राचीन धनराशि पर समय समय अधिसूचित की जाने वाली दर से पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से और 30 दिनों से अधिक के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से आयातकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक ने वास्तविक रूप से जमा करने की तारीख से आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक द्वारा संभरकों से वास्तविक रूप से लिए गए भुगतान की तारीख (दोनों दिन शामिल होंगे) के बीच के दिनों के लिए परिगणित ब्याज।

(3) आस्ट्रियन पुंजीगत माल 1989 के अधीन राष्ट्र सरकार के विभागों और केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा किए गए आयातों के लिए ब्याज के भुगतान की व्यवस्थाएं लागू नहीं हैं।

12. इस बात का सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संकट भारतीय बैंक की होगी कि देश धनराशि आयातों को आयात दस्तावेज सौंपने से पूर्व सरकार के लेखों में नहीं रूप से जमा कर दी जाती है। आयातक को भी इस बात का सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने संभरक से दस्तावेजों की सुपुर्दगी होने से पूर्व धनराशि सरकार, लेखों में सही रूप से जमा करवा दी है।

13. आयातकों (निजी क्षेत्र के संस्थान और केन्द्रीय सरकार के विभागों को शामिल करके) को अपेक्षित धनराशि केवल विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से ही जमा करानी चाहिए और उनमें सार्वजनिक सूचना सं. 184 आई टी सी (पी.एन.)/68, दिनांक 30-8-68 के अनुसार लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रूपांतरित करवा लेनी चाहिए संकट बैंक द्वारा अर्पित "एम" प्रपत्र आयात रिजर्व बैंक, आईटीसी को भेजा जाएगा।

14. ऊपर के पैरा 11 में निर्धारित धनराशि केवल भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी दिल्ली या भारतीय रिजर्व बैंक दिल्ली में ही सरकार, लेखों में निम्नलिखित लेखा शीपक के अधीन निक्षेप किया जाएगा :—

"के डिपोजिटम एण्ड एडमिनिज—डिपोजिट गॉट डिपॉजिट इण्डेस्ट 8443 मिबिल डिपॉजिटस डिपॉजिटस फार परवैजिज एक्सेटरा एण्ड परवैजिज एक्सेटरा यन्डर आस्ट्रियन केपिटल गुडम क्रेडिट 1989"।

निक्षेप सार्वजनिक सूचना सं. 74 आई टी सी (पी.एन.)/74, दिनांक 31-5-1974 में दिए गए निर्धारित आयात कार्य में जमा किया जाना चाहिए।

15. भारतीय रिजर्व बैंक से या भारतीय स्टेट बैंक से, तीस हज़ारी दिल्ली से प्राप्त चालान की एक प्रति या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हज़ारी से दर्शनी कृष्णी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) जमा करने के बारे में सूचना आयात कर के बैंक द्वारा महायन्त्र लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, जनपथ भवन, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली 110001 को भेजी जानी चाहिए और उसके साथ एक अप्रेशन पत्र भी भेजा जाना चाहिए जिसमें आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त प्राधिकार पत्र में, विदेशी मुद्रा की वह धनराशि जिसके समतुल्य रुपया जमा करवाया गया है, आस्ट्रियन संभरक की भुगतान की तिथि और व्याज की धनराशि परामर्श टिप्पणियों के पूर्ण ब्यौरे के साथ दर्शाई जाए।

16. एक लाइसेंस के अधीन आयात पूर्ण हो जाने के बाद और आयातक बैंकों द्वारा सरकारी लेखे में सभी देय धनराशि जमा करवाने के बाद, प्राप्त आयातों और जमा करवाई गई धनराशि के पूर्ण ब्यौरे, नियंत्रक लेखा महायन्त्र एवं लेखा परीक्षा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ भवन, 5वीं मंजिल बी विंग को भेजना चाहिए।

17. इसे सभी भाति से जान देना चाहिए कि यदि लाइसेंसधारी और संभरक के बीच में किसी प्रकार का लपटा हो जाता है तो भारत की सरकार इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जाएगी। भुगतान किए जाने से पूर्व संभरक द्वारा पूर्ण की जाने वाली शर्तें आयातक को देना दो जानी चाहिए। यदि आवश्यक हुआ तो विवादों की निपटारे से सम्बद्ध व्यवस्था संविदा में की जा सकती है।

18. आयात लाइसेंस या उसके संशेष में उठ खड़ा होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1989 के अधीन सभी प्रामाण्यों को पूर्ण करने के लिए, भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निर्देशों या अनुदेशों या प्रादेश का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

19. उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिकरण या उल्लंघन करने पर आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

अनुबन्ध-1

(तीन प्रतियों में)

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1989 के अधीन प्राधिकार पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन पत्र

- (क) भारतीय आयातक और/या जहां आवश्यक हो, परियोजना प्राधिकारों का नाम और पता
- (ख) संभरक का नाम और पता
- (ग) (1) आयात लाइसेंस की संख्या और तारीख
- (2) मूल्य
- (3) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त ब्यौरा
- (घ) भारत में आयातक का बैंक (यह वह बैंक होगा जिसने निजी क्षेत्र के आयातों के मामले में बैंक गारण्टी भेजी हो-)
- (2) भारत में आयातक का बैंक जो आयातक को पोतलदान दस्तावेज जारी करने से पूर्व सरकारी लेखे में धनराशि जमा करवाने के लिए जिम्मेदार होता।
- (ङ) आस्ट्रियन शिपिंग में संविदा प्रादेश का मूल्य
- (च) अनुदेशों पूर्ण कर देने की प्रत्याशित तिथि।
- (छ) भुगतान की शर्तें तथा वह संभावित तिथि जिसका संविदा के अधीन भुगतान देय होगा।
- (ज) क्या आंशिक पोतलदान अनुमति/निषेध है।
- (झ) लदान दस्तावेज की विस्तृत सूची जैसे अवतरण वित्त, बीजक, उद्गम, प्रमाणपत्र आदि, जिसकी मांग आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक भुगतान करने से पूर्व संभरकों से मांगेगी और इसके साथ प्रत्येक दस्तावेज के लिए अपेक्षित प्रतियां।
- (ञ) यदि कोई हो, तो संविदा में शामिल किया गया भारतीय अभिकर्ता का कमीशन (सही श्रमशक्ति का संकेत किया जाना है) जिसे प्राधिकार पत्र जारी करने समय संविदा के मूल्य में से निकाल दिया जाता है। ऐसा कमीशन अभिकर्ता को सीधे ही आयातक द्वारा रुपये में भुगतान करने योग्य होगा।
- (ट) वह मूल्य जिसके लिए प्राधिकार पत्र अपेक्षित हो।
- (ठ) बैंक गारण्टी की संख्या दिनांक और मूल्य जिसमें उसकी वैधता अवधि भी दर्शाई जानी चाहिए (केवल निजी क्षेत्र के आयातों के मामले में)।
- (ड) यदि कोई हो तो विशेष अनुदेश—

गारंटी बॉण्ड

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1989 के अन्तर्गत माल आयात करने की प्रक्रिया के अधीन बैंक द्वारा भेजा जाना है।

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति (इसके बाद जिसे "सरकार" कहा गया है) के लिए आस्ट्रियन क्रेडिट 1989 की शर्तों के अन्तर्गत और उपर्युक्त समझौते के मद्दे आयातक के नाम में—को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं. —के अनुसरण में—द्वारा (इसके बाद जिसमें) "आयातक" कहा गया है) के आयात के लिए आस्ट्रियन शिपिंग में भुगतान की व्यवस्था करने के लिए सहमत होने पर हम, —बैंक आयातक के अनुरोध पर आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक द्वारा किए गए भुगतानों और उस बैंक को भुगतान किए जाने योग्य कमीशन और डाक चार्ज की धनराशि को मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं.-8 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार या इस मामले में सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अनुदेशों के अनुसार परिकल्पित प्रचलित भिन्न मुद्रा विनिमय की दर पर और उसके साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और सं. 35-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 25-8-83 में निर्धारित दर पर अर्थात् विदेशी सम्भरक को भुगतान की तिथि में वास्तविक निक्षेप करने की तिथि तक (दोनों दिनांक मिलाकर) पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत की दर पर और इससे अधिक की तिथि अवधि के लिए 18 प्रतिशत की दर पर व्याज भी सरकार के लेख में भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली के पास जमा करने के लिए सूचना प्राप्त की तारीख से 10 दिनों के भीतर विधि के अनुसार और भारत सरकार द्वारा संकेतित उचित लेखा शीर्षों के मद्दे उक्त क्रेडिट के अन्तर्गत जमा करने की व्यवस्था करने के लिए वचन देते हैं।

2. हम—(बैंक) यह भी वचन देते हैं कि आयातक द्वारा सरकार को समय-समय पर चुकाए जाने योग्य किसी भी प्रकार की बाकी रही धनराशि को चुकाए जाने में बाकी-दारी पाये जाने पर सरकार समय-समय पर ऐसी धनराशि जो—रुपये से ज्यादा नहीं है या उसका कोई भी अंश जो कुछ समय के लिए बाकी रहा है और उसका आयातक द्वारा भुगतान किया जाना है, उसको जमा करने के लिए, सरकार समय-समय पर जिस स्थान पर और जिस तरीके से जमा करने के लिए अनुदेश दे तो सरकार को उसकी क्षति नहीं होने देगे और उसे क्षति पूर्ति से दूर रखेंगे। तथा हम इसके साथ सरकार के खाते में समतुल्य रुपये वास्तव में जमा करने की तिथि से सम्भरक को किए गए भुगतान की तिथि तक के लिए अर्जित प्रथम 30 दिनों के लिए 12 रुपये प्रति सैकड़ा वार्षिक की दर से और इससे अधिक दिनों के लिए 18 रुपये प्रति सैकड़े वार्षिक की दर से उस पर व्याज भी जमा करेंगे। आयातक द्वारा उल्लिखित भुगतान करने में किसी प्रकार की देर होने पर अथवा उसकी ओर से और सरकार को भुगतान किए जाने योग्य राशि के संबंध में जो राशि हमारे—बैंक द्वारा दी जानी है, उस संबंध में सरकार द्वारा लिया गया निर्णय हमारे ऊपर—अन्तिम और अनिवार्य होगा।

3. हम—(बैंक) आगे इस बात पर सहमत होते हैं कि संविदा के अन्तर्गत मिली जुली दर में परिवर्तन होने पर आयात के मूल्य में वृद्धि होने से या अथवा माल छुड़ाने की स्थिति में उसका मूल्य बढ़ जाने की स्थिति में, जहां परिवर्तन हुआ है, उस परिवर्तन के अनुपात में बैंक गारंटी बॉण्ड की धनराशि को समायोजित कर लिखा जाएगा।

4. हम—(बैंक) आगे इस बात पर सहमत हैं कि इस गारंटी में कुछ निहित है, वे उल्लिखित करार/संविदा के निष्पादन होने तक पूरी शक्ति और प्रभाव के साथ लागू होंगे और उसे तब तक कार्यान्वित रखा जाएगा जब तक सरकार के अन्तर्गत या इस गारंटी में आने वाला सारा बकाया देय पूर्णरूपेण चुकता न कर दिया गया हो और उसकी मांग पूरी न हो गई हो या उन्मुक्त न हो गई हो।

5. इसमें उल्लिखित गारंटी पर आयातक या दि—(बैंक) के संविधान में किसी प्रकार का परिवर्तन होने से प्रभाव नहीं पड़ेगा और सरकार को पूर्ण स्वतंत्रता होगी कि गारंटी को प्रभावित किए बिना आयातक और दि—(बैंक) पर लागू होने योग्य किसी भी अधिकार को किसी समय या समय-समय के लिए स्थगित करें या किसी भी धनराशि के भुगतान के लिए आयातक को बाध्य कर सकती है और उपर्युक्त मामले के मन्दर्भ में या किसी कारणवश थोड़े समय के लिए आयातक को या किसी अन्य स्थगन जो दिया गया हो, इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार द्वारा किसी प्रकार की स्वतंत्रता बरती जाने पर यह अपनी जिम्मेदारी से उन्मुक्त नहीं होगी, लेकिन इस व्यवस्था के लिए, नियम या सरकार की ओर से दी गई छूट या आयातक पर किए गए किसी तरह से अनुग्रह हो या और कोई मामला या बात, चाहे जो भी हो, जो जमानतों से संबंधित हो—बैंक पर इस प्रकार की जिम्मेदारियों के लिए ऊपर कथित उन्मुक्ति का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6. हम—(बैंक) यह भार लेते हैं कि सरकार द्वारा लिखित में परामर्श पाए बिना, मुद्रा माल में इसकी गारंटी को रद्द नहीं करेंगे।

7. हम—बैंक, एतद्द्वारा सार्वजनिक सूचना सं. 15 आई टी सी (पी एन)/72, दिनांक 28-2-72 और सं.-8 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 और इसके बाद समय-समय पर जारी होने वाली ऐसी ही अन्य सार्वजनिक सूचनाओं की शर्तों के अनुसार अतिरिक्त धनराशि जमा करने का वचन देते हैं।

8. इस पोस्टल गारंटी के अन्तर्गत—रुपये (इसमें व्याज तथा कमीशन और अन्य प्रभार भी शामिल हैं, यदि कोई हो तो इस गारंटी की धनराशि के एक प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद नहीं की जाती)—तक हमारी जिम्मेदारी सीमित है और यह गारंटी—दिन—मास—19—तक, जब तक इसकी तारीख से 18 मास के भीतर लिखित रूप से इस गारंटी के अन्तर्गत मांगे पूरी नहीं कर ली जाती, इसे लागू रखा जाएगा और जब तक उसके बाद दूसरी 18 मास के भीतर अर्थात्—तक उनकी मांगों के लिए मुकद्दमा या कार्रवाई लागू न हो जाए, इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार के सभी अधिकार समाप्त हो जाएंगे और हम लोग इसके अन्तर्गत निहित जिम्मेदारियों से मुक्त और उन्मुक्त कर दिए जाएंगे।

वास्ते—(बैंक लि.)—
दिनांक—

श्री—के द्वारा (नाम और पदनाम) भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से स्वीकृत

हस्ताक्षर—

जिस तारीख को संभरकों का सभी भुगतान पूरा करने की संभावना हो, उसमें एक मास जोड़ कर यह तारीख मानी जाएगी।

टिप्पणी:—(1) स्टाम्प पेपर का मूल्य जिसमें यह गारंटी निष्पादित की जानी है, इसके मूल्य का भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा-31 के अनुसार स्टाम्प कलेक्टर के द्वारा निर्णित किया जाता है।

(2) बैंक गारंटी की धनराशि के परिचालन के लिए अपनाई जाने वाली मुद्रा विनिमय दर वही दर होनी चाहिए जो आयात लाइसेंस में दी गई है।

अनुसन्ध-3

मिसिल सं. एफ

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

प्रबन्धक,

आस्ट्रियन नेशनल बैंक,

ग्राटो बागनेर प्लेज-3,

वियना-9 (आस्ट्रिया)

प्रिय श्री,

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1989 प्राधिकार पत्र सं. हमें के मद्दे
आस्ट्रियन शिलिंग के लिए सर्वश्री द्वारा सर्वश्री
को दिए गए आदेश सं. दिनांक के संदर्भ की ओर आपका ध्यान दिलाते हैं।

हम एतद्द्वारा आपको संलग्न विवरण में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार सर्वश्री
को आस्ट्रियन शिलिंग (आस्ट्रियन शिलिंग) तक की धन-
राशि का भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करते हैं। अनुराध है कि सर्वश्री द्वारा
प्रस्तुत किए गए बीजक, लदान और अन्य दस्तावेज सीधे ही (बैंक) को भेजे जाएं।

2. उपर्युक्त पैरा 1 में दर्शाई गई धनराशि, भारत सरकार और आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच दिनांक 16 सितम्बर, 1989 को हुए समझौते के अनुच्छेद-2 और 3 में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा चुकाई जाएगी।

3. कृपया इस साख पत्र के मद्दे किए गए भुगतानों के ब्यौरे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय, जनपथ भवन, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली-110001 को भेजे जाएं और उसे जमान और अन्य निर्धारित दस्तावेजों की एक प्रति के साथ नामे डालने के लिए सूचना भी भेजी जानी चाहिए।

4. यह प्राधिकार पत्र दिनांक मास 19 तक वैध रहेगा ।

भवदीय,

अवर सचिव, भारत सरकार

प्रति सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए निम्नलिखित को प्रेषित है :—

1. मैसर्स (बैंक) । संदर्भाधीन आयात रुपये के आयात लाइसेंस सं. दिनांक के अन्तर्गत आता है । यह आपकी रुपये गारन्टी सं. दिनांक के सन्दर्भ में भी है । यह प्राधिकार पत्र आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1989 के अधीन आयातों को शामिल करने वाली लाइसेंसिंग शर्तों के अधीन जारी किया जाता है । कृपया उन्हीं लाइसेंसिंग शर्तों और सम्बद्ध सार्वजनिक सूचनाओं/आदेशों आदि को निविष्ट करें और आयात/विदेशी भुगतान से संबंधित/उचित कार्यवाही करें । इस संबंध में निम्नलिखित आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिलाया जाता है ।

- (1) जब भी संभरक को भुगतान किया जाता है, सभी भुगतान के समतुल्य रुपया (संभरक को भुगतान की तिथि से लागू मुद्रा विनियम को संयुक्त दर पर निकाला गया) और उसके साथ-साथ समय-समय पर निर्धारित दरों पर व्याज सरकारी लेखों में जमा करने की व्यवस्था करें । सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 10-8-1983 और सं. 35 आई टी सी/83, दिनांक 26-9-1983 में यथानिर्धारित व्याज की वर्तमान दर संभरक को भुगतान की तिथि से आरम्भ होने वाले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत है और बाकी के दिनों के लिए जमा करने की तारीख तक और सहित 18 प्रतिशत है ।
- (2) इस प्राधिकार पत्र के अधीन किए गए प्रत्येक विदेशी भुगतान के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 में निर्धारित प्रपत्र में अलग से चालान का उपयोग करके या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपये जमा किया जाना है ।
- (3) संभरक को किए गए प्रत्येक भुगतान के लिए, मूल दस्तावेज (वार्णिज्यिक बीजक, बैंक गारन्टी, निष्पादन गारंटी, पोत परिवहन दस्तावेजों आदि के अपर क्राम्प सेट) केवल उपर्युक्त यथानिर्दिष्ट सरकारी खर्च के तय करने के बाद आयातक को रिहा किए जाने चाहिए ।
- (4) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में आपके कर्तव्य और उत्तरदायित्व भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न एंडी परिपत्रों में निर्धारित है । इस संबंध में विशेष संदर्भ के लिए परिपत्र सं. 22, दिनांक 18-6-1977 को ओर ध्यान दिलाया जाता है ।
- (5) कृपया इस पत्र की पावती अवोहस्ताक्षरी को भेजें और उसके साथ-साथ सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ भवन, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली-110001 को भी भेजें ।

2. मैसर्स । यह उनके आवेदन/पत्र सं. दिनांक और संविदा/क्रय आदेश सं. के सन्दर्भ में है । उनका उपर्युक्त (1) में निहित अनुदेशों की ओर विशेष ध्यान दिलाया जाता है । यह भी नोट किया जाए कि आयातक को यह भी सुनिश्चय करने को जिम्मेदारी होगी कि सरकारी देनदारी ठीक प्रकार से, पूर्णरूप से और शीघ्रता से तय कर ली है ।

3. सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ भवन, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली-110001 (बैंक) द्वारा जारी की गई रुपये का बैंक गारन्टी सं. मूल रूप में रुपये के आयात लाइसेंस सं. दिनांक की एक प्रति (मंत्रालय) द्वारा जारी की गई रुपये की विदेशी मुद्रा रिहा करने की स्वीकृति सं. दिनांक को एक प्रति संविदा/क्रय आदेश सं. का एक सेट इसके साथ संलग्न है ।

4.

5.

अवर सचिव, भारत सरकार

प्रत्येक प्राधिकारी पत्र के अधीन आयात/भुगतान पूर्ण होने पर सहायता लेखा और लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय को भेजी जाने वाली रिपोर्ट ।

1. आयातक/लाइसेंसधारी का पूरा पता
2. आयात लाइसेंस की संख्या और दिनांक एवं मूल्य
3. भेजी गई गारंटी की संख्या, दिनांक एवं धनराशि
(निजी क्षेत्र के आयात के संबंध में)
4. वित्त मंत्रालय से जारी किए गए प्राधिकार पत्र के ब्यौरे :—
(क) प्राधिकार-पत्र की संख्या एवं दिनांक
(ख) प्राधिकार पत्र की धनराशि (आस्ट्रेयन शिलिंग में)
5. प्रभावी किए गए आयातों एवं जमा किए गए रुपये के ब्यौरे :—
(क) संभरक का नाम
(ख) उद्युक्त (क) में उल्लिखित संभरक को चुकाई गयी वास्तविक धनराशि आस्ट्रेयन शिलिंग में
(ग) आस्ट्रेयन नेशनल बैंक द्वारा संभरक को किए गए भुगतान की तारीख
(घ) जमा किए गए रुपये की धनराशि :—
(1) संभरक को चुकाई गई आस्ट्रेयन शिलिंग के समतुल्य रुपये आस्ट्रेयन शिलिंग—रुपये
(2) चुकाया गया व्याज
(3) जिस अवधि तक व्याज परिकलित किया गया है तक
(4) जमा किया गया कुल धन
(5) जमा करने की तारीख और स्थान
(6) राजकोष चालान की संख्या एवं दिनांक
(इसे संलग्न किया जाता है) यदि राजकीय चालान पहले ही भेज दिया गया है तो उसकी संख्या एवं दिनांक का संदर्भ उद्धृत किया जाए।
(7) यदि उपर्युक्त (घ) (4) में लिखित रूपया डिमांड ट्रापट के माध्यम से जमा किया गया था तो ट्रापट की संख्या, दिनांक और धनराशि और आगके जिस पत्र के साथ वह महालेखापाल, केन्द्रीय राजस्व को भेजा गया था उसके ब्यौरे।
6. प्रत्येक प्राधिकार पत्र के सन्दर्भ प्रयुक्त एवं अप्रयुक्त धनराशि (आस्ट्रेयन शिलिंग में)
7. इस संबंध में एक प्रमाणपत्र की उपर्युक्त कंडिका-6 में संकेतित शेष धनराशि का उपयोग नहीं किया गया है और इसके लिए कोई पोतलवान नहीं किया गया है तथा उसे समाप्त हुआ समझा जाए।

प्राधिकृत हस्ताक्षर

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 32 ITC(PN)/90—93

New Delhi, the 22nd June, 1990

SUBJECT: Conditions for licensing Private Sector and Public Sector Imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1989.

F. No. IPC/23(62)/90—93.—The term and conditions governing Private Sector and Public Sector imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1989 as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports and Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 32-ITC(PN)/88-91, dated 22-6-90.

CONDITIONS FOR LICENSING PRIVATE SECTOR AND PUBLIC SECTOR IMPORTS UNDER THE AUSTRIAN CAPITAL GOODS CREDIT, 1989

1. The licence will be issued with a validity period of twelve months but firm order on CIF/C&F basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi within four months from the date of issue of the Import Licence. The terms 'firm order' means a purchase order placed by the Indian Licensee on the Austrian supplier duly supported by the confirmation from the latter or a purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier. If firm order cannot be finalised within the time limit of four months, the licensee should submit to the Chief Controller of Imports & Exports (CCI&E) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in ordering period alongwith justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension on the ordering period will be considered on merits in each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If however, extension is sought beyond 6 (six) months from the date of issue of Import Licence, such a proposal should invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Coin-I Section) of Ministry of Finance, New Delhi. The Licence codes "S" and "AA" should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the "S" form required to be furnished to the Indian Bank at the time of rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this Credit.

3. The licence will not be valid for remittance from India. Payments to the Austrian suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in the paragraphs 6—10 below.

4. The contract of supply between the Indian importer and the Austrian supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit, 1989 in accordance with the procedures set forth in these licensing conditions, and should also be made subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the suppliers about this condition and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Shillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit, 1989 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee, the suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Immediately after the contract is concluded, the importer should furnish 5 (five) photostat or certified copies of the contract/supply order accompanied by two photostat copies of the Import Licence if any or foreign exchange sanction to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Coin. I Section). The importer is also required to furnish the information as per details given in Annexure-I (in triplicate).

7. In the case of contracts concluded by companies and institutions other than Public Sector Undertakings and Government Departments for imports from Austria the importer should furnish a bank guarantee from an approved Scheduled bank, in the form prescribed (Annexure-II) duly adjudicated by the Collector of Stamps. The Bank Guarantee should be for an amount representing the rupee equivalent of the amount of contract for which Letter of Authority is sought plus interest and other charges. The rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue as prevailing on the date of issue of Import Licence or that indicated on the Import Licence.

8. If the contract documents/supply order, the request for issue of Letter of Authorization, the Import Licence and bank guarantee, where necessary, are found to be in order, the Department of Economic Affairs will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank together with a Letter of Authority (in the format given in Annexure-III) authorizing payment to the supplier, against the shipping documents.

9. In case the shipment/payment to the supplier are not completed within the validity period of the Letter of Authority well before the expiry period of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Coin. I Section) for suitable extension of the Letter of Authority well before the expiry period of the Letter of Authority. Such a request should be accompanied by a photostat copy of the revalidated Import Licence, if the period of extension sought for is beyond the validity of the original Import Licence, and a letter from the Bank extending the validity of Bank Guarantee, where necessary.

10. If the request for extension in the period of validity of the Letter of Authority is not received within a period of six months from the validity date of the Letter of Authority, the unutilized balance in the Letter of Authority will be deemed to have been surrendered and the Letter of Authority will stand lapsed automatically.

11. The original negotiable shipping and other documents will invariably be forwarded by the Austrian National Bank to the concerned importer's bank in India who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the importer has deposited :—

(i) the rupee equivalent of the payments made to the Austrian supplier in Austrian Shillings at the prevailing composite rate of exchange to be calculated in the manner as prescribed in Chief Controller of Imports & Export Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by the Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

(ii) interest calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent for the period in excess of 30 days in terms of Public Notice No. 31 and 35-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and 26-8-83 respectively or at the rates as may be notified from time to time on the amount required to be deposited vide item No. (i) above, reckoned from the date of actual payment to the supplier by the Austrian National Bank to the date of actual deposit (both days inclusive) of the rupee equivalent by the importer in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi.

(iii) The provisions for payment of interest are not applicable to imports made under the Austrian Capital Goods Credit, 1989 by State Government Departments and Central Government Departments.

12. It shall be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importer. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

13. The importer (including Public Sector Undertakings and Departments of the Central/State Government) should make the requisite rupee deposit only through Authorized Dealers in Foreign Exchange and also get the Exchange Control Copy of the licence endorsed by them as required in Public Notice No. 16-41 GI/90—2.

184-ITC(PN)/68 dated the 30-8-1969. The requisite 'S' form will be sent by the concerned bank to the Reserve Bank of India, Bombay.

14. The moneys specified in para 11 should be deposited only with the State Bank of India, Tis Hazari, New Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi to the credit of the Central Government account under the Head of Account :—

"A—Deposits and Advances—Deposit not bearing interest—8443—Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad—purchases etc. under Austrian Capital Goods Credit, 1989".

The deposit should be made in the challan form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974.

15. One copy of the receipt challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi should be sent by importer's Bank to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001 alongwith a forwarding letter giving full details of the advice Notes received from the Austrian National Bank, Letter of Authority No., amount of foreign currency to which rupee deposit is made, date of payment to the Austrian supplier and amount of interest.

16. After the imports under a licence are completed and the importer's bankers have deposited late Government Account all the amounts due, details of the import received and the rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001.

17. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier, the conditions to be fulfilled by the supplier before the payment could be effected should be spelt out by the importer. If necessary, provisions dealing with the settlement of disputes may be included in the contract itself.

18. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matter arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit, 1989.

19. Any breach or violation of conditions set forth in the above clause will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

ANNEXURE-I

In triplicate

Application for the grant of Letter of Authority under the Austrian Capital Goods Credit, 1989.

- (a) Name and address of the Indian Importer and/or Project Authority where necessary.
- (b) Name and address of the supplier.
- (c) (i) No. and date of the import licence.
(ii) Value.
- (iii) Short description of goods to be imported.
- (d) (i) The Importer's Bank in India (which will be the Bank that has furnished the Bank Guarantee in case of Private Sector Imports).
(ii) The Importer's Bank in India (which will be responsible to make rupee deposits in Govt. account before releasing shipping documents to the importer).
- (e) Value of the contract order in Austrian Schillings.
- (f) Expected date of completion of deliveries.
- (g) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (h) Whether partial shipments are permitted/prohibited.
- (i) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, Certificates of Origin, etc. which the Austrian National Bank should demand from the suppliers before making payment, together with the number of copies of each documents required.
- (j) Indian Agents Commission, if any, included in the contract (exact amount to be indicated), which will have to be deducted from the contract value while issuing a Letter of Authority. Such commission will be payable by the importers direct to the agents in Indian rupees.
- (k) Value for which the Letter of Authority is required.
- (l) Number, date and value of Bank Guarantee, indicating the period upto which it is valid (in case of private sector imports only).
- (m) Special Instructions, if any.....

ANNEXURE—II

GUARANTEE BOND

(To be furnished by Banks under the procedure for import of goods under the Austrian Capital Goods Credit, 1989).

To

The President of India,

In consideration of the President of India (herein after called 'the Government') having agreed to

arrange for payment in Austrian Schillings for the import of.....by.....(herein after called the importer) under the terms and conditions of Austrian Capital Goods Credit, 1989 and in pursuance of Import Licence No..... issued on.....in favour of the importer against the above Agreement, we..... (Bank) at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit the amounts of the disbursements made by the Austrian National Bank and commission and postal charges payable to the Bank converted at the prevailing composite rate of exchange calculated as per instructions issued in CCI&E's Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-01-1976 or as notified by the Government in the matter from time to time within ten days of the receipt of advice of payment for credit to the Government account with the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi in the manner and against appropriate Heads of Accounts as indicated by Govt. of India under the said Credit together with interest at the rates prescribed in the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-08-1983 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 25-08-1983 i.e. at the rate of 12 per cent for the first 30 days and 18 per cent for the period in excess of from the date of payment to foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive).

2. We, the.....(Bank) also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct such sum not exceeding Rs.....or any part thereof for the time being due and payable by the importer together with interest thereon at the rate of 12 per cent per annum for the period in excess thereof (vide Public Notice *ibid*) accrued from the date of payment to the 'supplier to the date of actual deposit of the rupee equivalent to Government account. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us..... (Bank) shall be final and binding on us..... (Bank)

3. We,..... (Bank) further agree that in case of increase in the value of import or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place in proportion to this change.

4. We,..... (Bank) further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during period that would be taken for the performance of the said Agreement/Contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

Annexure—III

5. The Guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the importer or the.....(Bank) and the Government shall have the fullest liberty without effecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the amounts the payment whereof is intended to be hereby secured and the.....(Bank), shall not be released from its liability under the guarantee by any exercises by the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reasons of time being given to the importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government of any indulgence by the Government, to the importer or by any matter or thing whatsoever which under the law relating to surities shall, but for this provision, have the effect of so releasing the.....(Bank) its such liability.

6. We.....(Bank undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. We.....(Bank), hereby undertake to make additional deposits in terms of Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28-02-1972 and No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-01-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time hereafter.

8. Our liability under this and postal guarantee is restricted to Rs. (plus interest and commission & postal charges, if any, not expected to exceed one per cent of the guarantee amount) and this guarantee shall remain in force till the..... day* of.....(month), 19..... Unless claims under this guarantee are made in writing within 18 months of this date and unless a Suit or action to enforce these claims is commenced within another eighteen months thereafter, i.e. upto..... all Government's rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Dated, the..... day of

for.....(Bank).

Accepted for and on behalf of the President of India by

Name and Designation

Signature.....

*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments to the suppliers are expected to be finalised.

NOTE : (i) The value of the stamped paper on which this guarantee is to be adjudicated by the Collector of Stamps, under Section 31 of the Indian Stamps Act.

(ii) The rate of exchange to be adopted for working out the amount of the Bank Guarantee should be the same as indicated in the Import Licence

No.

Government of India

Ministry of Finance

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the.....

The Manager,

Austrian National Bank,
Otto-Wagner Platz 3,
Vienna—IX (Austria)

Dear Sir,

Austrian Capital Goods Credit, 1989 Letter of Authority No.....

We are to invite a reference to the Order No..... dated the.....(copy enclosed) placed by M/s.....on M/s.....for Austrian Shillings.....on account of..... We hereby authorise you to pay to M/s.....a sum not exceeding Austrian Schillings.....(Austrian Schilling.....in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s.....be despatched direct to the.....(Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 & 3 of the Agreements dated 16th December, 1989 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts & Audit, Janpath Bhavan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001 to whom the debit advices along with a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This Authority will remain valid upto..... day of.....19 ..

Yours faithfully,

Under Secretary to the Govt. of India

Copy forwarded for information and necessary action to :

1. M/s.....(Bank). The import under reference is covered by Import Licence No..... dated.....for Rs.....

This has also reference to your Guarantee No.....dated.....for Rs..... This Letter of Authority is issued under the Licensing conditions governing the import: under Austrian Capital Goods Credit, 1989. Please refer to those licensing conditions and connected Public Notices/Orders etc. and take appropriate action concerning the import/foreign payments. In this connection, specific attention is invited to the following requirements :—

(i) As and when each payment is made to the supplier, please arrange to deposit to the

Government account, the rupee equivalent of that payment worked out at the composite rate of exchange, applicable for the date of payment to the supplier), together with interest at rates prescribed from time to time. The present rates of interest as prescribed in Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-08-1983 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-08-1983 are 12 per cent for the first 30 days commencing from the date of payment to the supplier, and for the balance number of days 18 per cent upto and including the date of deposit.

(ii) For each foreign disbursement made under this Letter of Authority, the rupee deposit is to be made either at the Reserve Bank of India, New Delhi or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi using a separate challan in the form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-05-1974.

(iii) For each payment made to the supplier, the original documents (commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should be released to the importer only after settling the Government dues as indicated above.

(iv) As authorized Dealer in Foreign Exchange, your Bank's duties and responsibilities are prescribed in various A.D. Circulars of the Reserve Bank of India, specific reference in this regard is invited to Circular No. 22 dated 18-06-1977.

(v) Please acknowledge receipt of this communication to the undersigned as well as to the Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, 5th Floor, B Wing, New Delhi-110001.

2. M/s. This has reference to their application letter No. dated and contract/purchase order No. Their specific attention is invited to the instructions contained in (1) above. It may please be noted that the importer is also responsible for ensuring that the Government dues are settled correctly completely and promptly.

3. Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs Janpath Bhavan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001. The Bank Guarantee No. dated for Rs. issued by (Bank) in original, one copy of Import Licence No. dated for Rs. one copy of foreign exchange release sanction No. dated for Rs. issued by (Ministry) and one set of contract/purchase order No. are enclosed herewith.

4.

5.

Under Secretary to the Govt. of India
Annexure—IV

Report to be furnished to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (DEA) on completion of the Imports|payments under each Letter of Authority.

1. Name and full address of the importer|licence.
2. The import licence Number, date and value.
3. Number, date and amount of the guarantee furnished (in case of private sector imports).
4. Particulars of the Letter of Authority issued by the Ministry of Finance :
5. (a) Number and date of the Letter of Authority.

(b) Amount of the Letter of Authority (in Austrian Shillings).

6. Particulars of imports effected and rupee deposits made :

(a) Name of supplier(s).

(b) Amount in Austrian Schillings actually paid to the supplier(s) mentioned at (a) above.....

(c) Date of payment to the supplier by the Austrian National Bank.

(d) Amount of rupee deposit :—

(i) Rupee equivalent of Austrian Schillings amount paid to the supplier @ 1 Aus Sch.=Rs.....

(ii) Interest paid.

(iii) Period for which the interest has been calculated from.....to.....

(iv) Total deposit made.

(v) Date and place of deposit.

(vi) Number and date of Treasury Challan (to be enclosed). If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent may be quoted.

(vii) If the rupee deposit mentioned in (d)(iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date and amount of the draft and particulars of Indian importer's letter with which it was sent.

7. Amount utilised and balance unutilised (in Austrian Schillings) against each Letter of Authority.

8. A certificate that the balance indicated in 6 above has not been utilised and no shipment has been made thereof and the same may be treated as lapsed.

(Authorized Signatures)